ऐसा है पिछला रेकॉर्ड

सिंधु और ताई जू यिंग एक दूसरे के खिलाफ 18 बार भिड़ चुकी हैं। इससे पहले सिंधु और ताई जू यिंग का आमना–सामना रियो ओलिंपिक के महिला एकल के राउंड–16 मुकाबले में हुआ था जहां भारतीय शटलर ने बाजी मारी थी। ताई जू यिंग ने दूसरे क्वॉर्टर फाइनल में थाइलैंड की रतचानोक इंतानोन को 14–21, 21–18, 21–18 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सेमीफाइनल में पीवी सिंधु को मिली हार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय शटलर पीवी सिंधु को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उनसे मेडल की आस अब भी कायम है। वर्ल्ड की नंबर एक शटलर ताई जू यिंग ने उन्हें 21–18, 21–13 से सीधे सेटों में हार का मुंह देखना पड़ा।

पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे सेट में भी पीवी सिंधु की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। दूसरे गेम के पहले हाफ तक वह 11–7 से पीछे हैं। सिंधु काफी कोशिश कर रही है, लेकिन बैकहैंड क्रॉस कोर्ट उनके लिए मुश्किल बन चुका है। शायद ताई ने उनकी यह कमजोरी पकड़ ली है।

पीवी सिंधु को बड़े टूर्नामेंट का खिलाड़ी माना जाता है। वर्ल्ड चौंपियनशिप जीतने वाली यह भारतीय शटलर तोक्यो 2020 में भी शानदार लय में हैं। अबतक बिना कोई गेम गंवाए वह सेमीफाइनल तक पहुंचीं थीं, लेकिन अब दुनिया की नंबर एक शटलर ताई से उन्हें कड़ी चुनौती मिलती हुई।

वंदना की हैट्रिक बनेगी महिला हॉकी लीग की प्राण वायु

टोक्यो ओलिंपिक देश के कोने–कोने से खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए निकलेंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेरठ। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन गोल की हैट्रिक मारने के बाद मेरठ सहित देश की महिला खिलाडियों में खासा उत्साह है। खिलाडियों का मानना है कि वंदना की ही हैट्रिक देश में महिला हॉकी लीग के लिए प्राण वायु का काम करेगी। हाकी इंडिया ने अंडर–21 खेलो इंडिया महिला हॉकी लीग के आयोजन की घोषणा भी की है। वंदना शुरू से ही इस बात की पैरवी करती रही हैं महिला हॉकी लीग के आयोजन से देश में महिला हॉकी के नए युग की शुरुआत होगी और देश के कोने–कोने से खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए निकलेंगे।

36 साल बाद टीम को पहुंचाया रियो ओलिंपिकः महिला हॉकी टीक के कोच रोलेंट ओलमांट्स वंदना हटारिया को दुनिया की बेहतरीन फारवर्ड खिलाडियों में से एक मानते हैं। वह मानते हैं कि फारवर्ड में वंदना काफी तेज है जिससे उन्हें गोल करने में मदद मिलती है। टोक्यो में भी वंदना ने तीन में एक गोल फील्ड से और दो गोल पेनाल्टी में लिए। इससे पहले 36 सालों बाद रियो ओलिंपिक गेम्स के लिए महिला हॉकी टीम को क्वालीफाई कराने में वंदना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया ने इस प्रदर्शन से खुश होकर वंदना सहित सभी खिलाडी को एक–एक लाख रुपये पुरस्कार राशि भी प्रदान की थी।

शुरू से मैच विनर रही हैं वंदना वंदना ने हमेशा से ही टीम को अहम पड़ावों पर अपने मैच विनिंग प्रदर्शनों से आगे बढ़ाया है। 2010 में भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा बनने के बाद वर्ष 2013 में ही वंदना ने जर्मनी में हुए जूनियर वर्ल्ड कप में वंदना ने चार मैचों में पांच गोल कर टापर स्कोरर रही और टीम को कांस्य पदक जिताया। 2014 के कामनवेल्थ गेम्स ग्लास्गो में वंदना ने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 100वां मैच खेला। इसके बाद 2014–15 में एफआइएच हॉकी वर्ल्ड लीग में वंदना ने 11 गोल दागे और भारतीय टीम विजेता बनी।

मिलना चाहिए अर्जुन अवार्ड भी मूल रूप से उत्तराखंड की रहने वाली वंदना कटारिया ने वर्ष 2004 से 2006 तक मेरठ के मोहनपुरी में रहकर एनएएस हॉकी मैदान पर कोच प्रदीप चिन्योटी से हॉकी का प्रशिक्षण लिया था। प्रदेश सरकार ने वंदना को पिछले साल रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित किया था। टोक्यो जाने के पहले ही वंदना का नाम इस साल के अर्जुन अवार्ड के लिए भी गया है। मेरठ की खिलाडियों का मानना है कि अब इस हैट्रिक प्रदर्शन के बाद वंदना को अर्र्जुन अवार्ड भी मिलना चाहिए।

क्वार्टर फाइनल में हारीं पूजा रानी, पदक की आस टूटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के लिए पहला मेडल मीराबाई चानू ने जीता था उसके बाद से अब तक एक भी मेडल भारत को नहीं मिला है। क्वार्टर फाइनल में पूजा रानी को हार मिली है। भारत की ओर से 75 किलोग्राम वर्ग में पूजा रानी का ओलिंपिक सफर खत्म हो चुका है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पूजा रानी को चीन की खिलाड़ी ने 5–0 से हरा दिया है। ये मुकाबला एकतरफा ही रहा। चीनी खिलाड़ी तीनों राउंड में हावी रहीं। इससे पहले भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी (75 किग्रा) ओलिंपिक खेलों में पदार्पण करते हुए शुरुआती मुकाबले में अल्जीरिया की इचरक चाएब को 5–0 से पराजित कर क्वॉर्टर फाइनल में

प्रवेश किया था। तीस साल की भारतीय ने पूरे मुकाबले के दौरान अपने से 10 साल जूनियर प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा था।

वह कंधे की चोट से जूझती रहीं जिससे उनका करियर खत्म होने का भी डर बना हुआ था, उनका हाथ भी जल गया था। वित्तीय सहयोग की कमी के बावजूद वह यहां तक पहुंची हैं। उनके पिता पुलिस अधिकारी हैं जो उन्हें इस खेल में नहीं आने देना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि मुक्केबाजी आक्रामक लोगों के लिए ही है।

भारतीय गेंदबाजों को रावलपिंडी एक्सप्रेस ने दिए टिप्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज अगले हफ्ते नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज क्रिकेट ग्राउंड से शुरू होगी। विराट कोहली एंड कंपनी इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच खेलेगी और उद्घाटन विश्व टेस्ट चौंपियनशिप नहीं जीतने की निराशा को पीछे छोड़ने की पूरी कोशिश करेगी। भारतीय टीम उम्मीद कर रही होगी कि उनके तेज गेंदबाज अच्छी फॉर्म में रहें क्योंकि टीम इंडिया 2007 से बाद इंग्लिश धरती पर टेस्ट सीरीज जीतने को बेताब हैं। भारतीय टीम के गेंदबाज इंग्लैंड की धरती पर और ज्यादा सफल कैसे हो सकते हैं इसे लेकर पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज शोएब अख्तर ने सलाह दी। उन्होंने ये भी कहा कि, इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के पास भारत पर हावी होने का मौका है। शोएब अख्तर ने कहा कि, तेज गेंदबाजों का आक्रामकता उनकी लंबाई में होती है। लोग सोचते हैं कि, मैं इस वजह से आक्रामक था क्योंकि मैं बाउंसर फेंक सकता था, लेकिन नहीं। मैं आक्रामक था क्योंकि मैं लगातार राइट एरिया में गति और गति में बदलाव के साथ हिट कर रहा था।

न्यूज डायरी

ओलिंपिक फाइनल में पहुंची कमलप्रीत कौर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन टोक्यो ओलिंपक में बहुत ही शानदार रहा है। शनिवार को डिस्कस थ्रो में कमलप्रीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह पक्की की। 25 साल की इस खिलाड़ी ने अपने ध मामाकेदार प्रदर्शन से सबका दिल जीता और क्वालीफायर में 64 मीटर की दूरी तक चक्का फेंक फाइनल में इतिहास के पन्नों में नाम दर्ज कराया। 25 साल की कमलप्रीत कौर का जन्म पंजाब के पटियाला में हुई था। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिले के बादल गांव की रहने वाली इस खिलाड़ी ने ओलिपिक में पूरे देश का नाम रोशन किया है। बचपन में पढ़ाई लिखाई में औसत रहने वाली कमलप्रीत का ध यान खेल की तरफ था। उनकी दिलचस्पी पढ़ाई में कम देख शारीरिक शिक्षा कोच ने एथलेटिक्स की तरफ ध्यान देने की सलाह दी। साल 2012 में उन्होंने एथलेटिक्स में भाग लिया और पहली स्टेट मीट में उन्होंने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया।

ओलिंपियन बॉक्सर मनोज कुमार ने ट्वीट कर उठाए व्यवस्था पर सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैथल। खेल सिस्टम पर शुरुआत से ही हमलावर रहे ओलिंपियन बाक्सर मनोज कुमार और उनके कोच राजेश कुमार ने एक बार फिर व्यवस्था पर वार किया है। टोक्यो ओलिंपिक–2020 में भारतीय मुक्केबाजों और अन्य खेलों में कमजोर प्रदर्शन के लिए सपोर्टिंग स्टाफ के अभाव को जिम्मेदार ठहराया है। बाक्सर मनोज कुमार ने ट्वीट के जरिये कहा कि हमारे मुक्केबाजों की फिटनेस बरकरार रखने में मुक्केबाजी सपोर्टिंग स्टाफ असफल रहा। हमारी मेडल की उम्मीद वर्ल्ड नंबर वन अमित पंघाल को कहीं न कहीं पर्सनल कोच की कमी खली है। वह साथ होते तो रिजल्ट कुछ और होता और एक और मेडल इंडिया की झोली में होता। उनके कोच राजेश कुमार ने ट्वीट किया कि देश से बाहर खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम रखना सबसे गलत निर्णय था। ऐसे माहौल में हम देश में रहकर ही बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।

इन 3 खिलाड़ियों को श्रीलंका सरकार ने नहीं दी यात्रा की अनुमति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका का दौरा खत्म करने के बाद स्वदेश लौट चुकी है। भारतीय टीम शिखर धवन की कप्तानी में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज खेलने श्रीलंका रवाना हुई थी। शुक्रवार 30 जुलाई को टीम इंडिया के खिलाड़ी श्रीलंका से बैंगलोर पहुंचे। जिन खिलाड़ियों को इस दौरे पर कोरोना संक्रमित पाया गया था उन्होंने यात्रा करने की इजाजत नहीं मिली। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के साथ दौरे की शुरुआत हुई थी और टी20 मुकाबले के साथ यह खत्म हुआ। गुरुवार 29 जुलाई को आखिरी मुकाबला खेला गया। एक दिन बाद 30 जुलाई को शिखर धवन की कप्तानी में खेलने पहुंची टीम भारत वापस लौटी। श्रीलंका में भारतीय टीम के तीन खिलाड़ियों को कोरोना संक्रमित पाया गया था। दूसरे टी20 मैच से पहले ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

चोटिल श्रीलंकाई खिलाड़ी ने लिया संन्यास का फैसला, खत्म हुआ करियर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज श्रीलंका के गेंदबाज इसुरु उदाना के लिए आखिरी इंटरनेशनल मैच साबित हुआ। चोट की वजह से आखिरी टी20 से बाहर बैठे इस खिलाड़ी ने क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला कर लिया है। शनिवार को श्रीलंका क्रिकेट टीम के इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। श्रीलंका की तरफ से 21 वनडे और 35 टी20 मैच खेलने वाले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर उदाना ने अपने 12 साल के करियर पर विराम लगाने का फैसला लिया। भारत के खिलाफ खेले जाने वाले तीसरे और सीरीज के निर्णायक टी20 मुकाबले से पहले उदाना को चोट लगी थी।